ट्रेडीशनल हैंड एम्ब्रायडरर

कक्षा: 11वीं एवं 12वीं

योग्यता पैक: रेफ. आई.डी.: एच.सी.एस./क्यू7301

सेक्टर: हैंडीक्राफ्ट और कारपेट सेक्टर

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)

www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉब रोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र के बारे में

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। शिल्प का कुशल विकास रचनात्मक और धैर्य का काम है। इस क्षेत्र में उत्पादन का तरीका ज्यादातर पारंपरिक हैं, जो इसे कौशल प्रधान क्षेत्र साबित करता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले कारीगर देश भर के समूहों में स्थित हैं। हस्तशिल्प का बाजार में एक विशेष स्थान हैं, क्योंकि इसके उत्पाद सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में महत्वपूर्ण योगदान देते है। इसके अलावा, देश भर में लाखों कारीगर इसमें शामिल हैं, इसलिए हस्तशिल्प में अपार क्षमता दिखाई देती है। उनके कौशल, उद्योग में नए प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या का समर्थन करने के साधन भी प्रदान करते हैं।

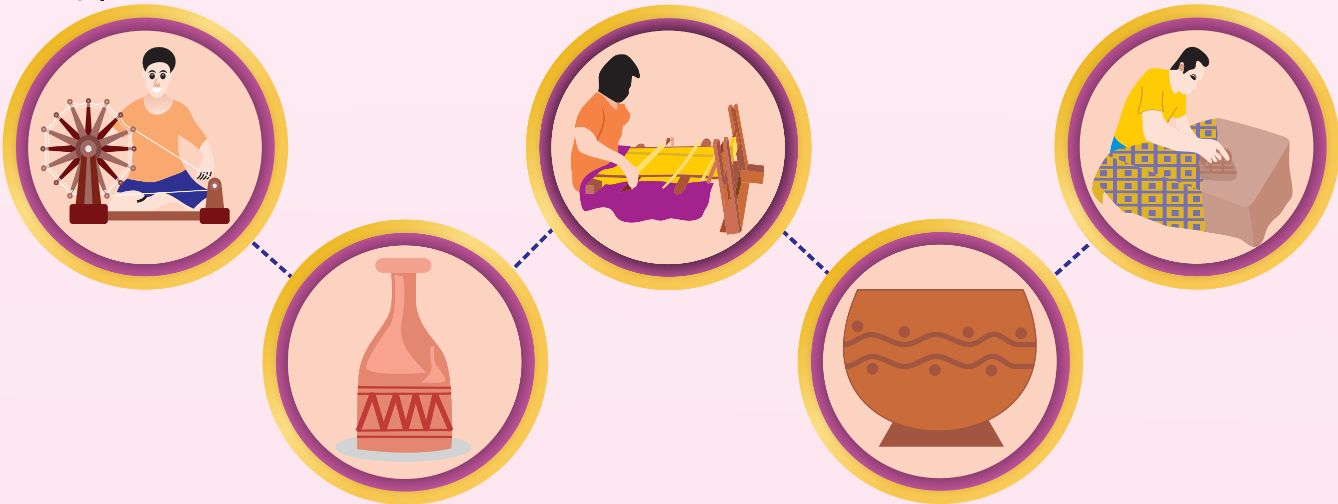

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र दो प्रभागों का प्रतिनिधित्व करता है:– हस्तशिल्प और कालीन

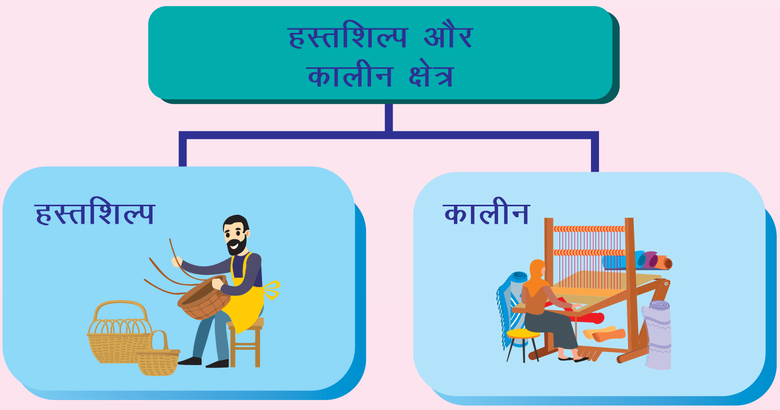

कारीगरों का निहित कौशल, तकनीक और पारंपरिक शिल्प कौशल, क्षेत्र के उत्पादन के लिए प्राथमिक मंच बनाने के प्रमुख संसाधन हैं। गुणवत्ता पर्यवेक्षण के तहत उत्पादन की योजना आम तौर पर चार चरणों में अपनाई जाती हैं:

कच्चे माल का अधिग्रहण

- सोर्सिंग
- कच्चे माल का वर्गीकरण, सफाई और निरीक्षण

उत्पाद डिजाइनिंग

- डिजाइन बनाना
- ग्राहक/बाजार अध्ययन
- शेड राईटिंग
- लूम सेट–अप

कलात्मक उत्पादन

- उत्पाद का निर्माण
- सिलाई/असेंबलिंग
- गन टफटिंग
- क्लीपिंग एंड ईम्बोसिंग

फिनिशिंग और पैकेजिंग

- उत्पाद परिष्करण
- पैकेजिंग और शिपिंग
- फाईल कारपेट इंस्पेक्शन

अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र का योगदान

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र को निर्यातोन्मुखी क्षेत्र के रूप में वर्णित किया गया हैं। क्रमशः लगभग 60% और 90% हस्तशिल्प उत्पाद और कालीन निर्यात किए गए हैं, जिससे वर्ष 2021–22 में लगभग रू. 33253.00 करोड़ का मूल्य अर्जित हुआ हैं। वर्तमान में, हस्तशिल्प क्षेत्र नौकरियों के सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ रहा हैं, जिसमें 7.3 मिलियन हेंडीक्राफ्ट कारीगर और लगभग 2 मिलियन कालीन बुनकर पहले से ही ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

व्यावसायिक दृष्टि से यह क्षेत्र आर्थिक रूप से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। न्यूनतम उत्पादन पूँजी निवेश, मूल्यवर्धन का उच्च अनुपात और देश के लिए निर्यात और विदेशी मुद्रा आय की उच्च संभावना, एक बड़ी तस्वीर को विस्तृत करती है। पूरे देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में फेले होने के कारण, उद्योग अत्यधिक श्रम गहन और विकेन्द्रीकृत है। उत्पादन की लचीली प्रकृति किसानों और परिवार के अन्य सदस्यों सहित लोगों को जल्दी से जुड़ने की अनुमति देती हैं, और क्षेत्र में लंबवत और क्षैतिज गतिशीलता के अवसर भी प्रदान करती है। इसे कुशल कारीगरों की पीढ़ियों, परिवार से बंधे संगठनों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रचारित किया जाता हैं।

हस्तशिल्प और कालीन के घटक

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र को निम्नलिखित उप–क्षेत्रों में विभाजित किया गया हैं:

- कालीन
- हस्तशिल्प (अगरबत्ती)
- चीनी मिट्टी की चीजें
- हस्तशिल्प (बांस)
- फैशन ज्वैरली
- चमड़े का सामान
- काँच के बने पदार्थ
- मेटलवेयर
- हाथ से बना कपड़ा
- कागज की लुगदी (पेपर मछे)
- हाथ से बुने हुए कपड़े
- पत्थर शिल्प
- हस्तशिल्प उत्पाद
- वुडवेयर

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है। इन वस्तुओं को पारंपरिक और समकालीन विषयों पर विकसित किया जाता हैं, जिनमें कार्यात्मक उपयोगिता हो भी सकती हैं और नहीं भी। हस्तशिल्प हस्त कौशल द्वारा विकसित उत्पाद हैं, जिसमें रचनात्मक कारीगरी होती हैं, और सांस्कृतिक विश्वासों, सामाजिक प्रतीकों और प्रथाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यह क्षेत्र अन्य व्यक्तिगत उपयोगों के बीच फैशन के सामान, घरेलू सामान और आभूषणों की बढ़ती माँग से चिन्हित सबसे बड़ा अंतिम उपयोग खंड हैं। हस्तशिल्प और कालीन के उप–क्षेत्र में कई प्रकार के जोब रोल सम्मिलित है।

हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाएँ

कारपेट

केड डिजाइनर फॉर कारपेट
कारपेट फाईल इन्सपेक्शन
कारपेट विवर
किल्पिर एण्ड एम्ब्रासर
डिजाइन एण्ड शेड रीटर
डायर (रंगसाज)
फीनिशर एण्ड लेटशींग मेन
लूम सुपरवाइजर – नोटेड कारपेट
नन्दा क्राफ्ट मेकर
क्वालिटी सुपरवाइजर (कारपेट)
शेड सुपरवाइजर
टूफटेड विविंग सुपरवाइजर
टूफटिंग गन मास्टर
वाशर (कारपेट)

सिरैमिक्स

अस्टिटेंट सिरैमिक्स एण्ड टेराकोटा टोय मेकर
सिरैमिक्स एण्ड टेराकोटा टोय मेकर
स्केचिंग एण्ड पेटिंग आर्टिसन (सिरैमिक्स)
सिरैमिक्स प्रिपरेशन आर्टिसन
फ्लोर सुपरवाइजर (सिरैमिक्स)
लेब असिस्टेंट (सिरैमिक्स)
मटेरियल प्रिपरेशन वर्कर
मोडेलर (सिरैमिक्स)
क्वालिटी चेकर टेक्नीशियन (सिरैमिक्स)

पेपर माचे

पोलिशर (मेटालवेयर)
लेकरर (पेपर माचे)
पेन्ट लाईन ऑपरेटर (पेपर माचे)
पेपर माचे आर्ट डिजाइनर
पेपर माचे आर्ट प्रमोटर
पेपर माचे क्राफ्ट स्पेशिलिस्ट
पेपर माचे आर्ट प्रोडक्ट आर्टिसन
स्कत साज खराडी

लेदरवेयर

लेदर टोय मेकर – आर्टिसन

हैंडक्राफ्टेड टेक्सटाईल

अप्लेक्यू आर्टिसन
ब्लॉक प्रिन्ट सुपरवाइजर
हैंड ब्लॉक प्रिन्टर
जूट हैंडलूम ववर
जूट प्रोडक्टस आर्टिसन
जूट प्रोडक्टस स्टिचिंग ऑपरेटर
जूट स्क्रीन प्रिन्टर
जूट यार्न हैंड ड्रायर
मासर हैंड एम्ब्रायडरर
ट्रेडिशनल हैंड एम्ब्रायडरर

स्टोन क्राफ्ट

सिसनिंग एण्ड केमिकल ट्रिटमेंट असिस्टेंट वुडवेयर
एसेम्बिलि मशीन ऑपरेटर (वुडवेयर)
डिजाइनर (वुडवेयर प्रोडक्ट)
इंग्रेविंग/कारविंग/इचिंग असिस्टेंट
फीनिशर (वुडवेयर)
लेकक्यूरर (वुडवेयर)
असिस्टेंट वुडवेयर टोय मेकर
वुडेन टोय मेकर आर्टिसन

वुडवेयर

सिसनिंग एण्ड केमिकल ट्रिटमेंट असिस्टेंट वुडवेयर
एसेम्बिलि मशीन ऑपरेटर (वुडवेयर)
डिजाइनर (वुडवेयर प्रोडक्ट)
इंग्रेविंग/कारविंग/इचिंग असिस्टेंट
फीनिशर (वुडवेयर)
लेकक्यूरर (वुडवेयर)
असिस्टेंट वुडवेयर टोय मेकर
वुडेन टोय मेकर आर्टिसन

हैंडक्राफ्टेड बम्बू

बम्बू वर्क आर्टिसन

हैंडीक्राफ्टस (अगरबत्ती)

अगरबत्ती मेकर
आटोमेटिक स्टिक मेकिंग एम/सी ऑपरेटर

ग्लासवेयर

एब्रेरेशन एण्ड ग्रिडिंग मशीन ऑपरेटर
डेकोरेटीव कटर
डेकोरेटीव पेन्टर (ग्लासवेयर)
ग्लास ब्लोविंग ऑपरेटर
सिल्वर कार्टिंग टेक्निशियन
ग्लास टोय मेकर – आर्टिसन

हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट

नेचुरल फाईबर मेकर
पूपेट मेकर – आर्टिसन
ट्रेडिशनल पेन्टिंग मेकर – आर्टिसन
अप–साईकिलिंग स्क्रेप्स एण्ड ई–वेस्ट आर्टिसन
कोहलापूर चप्पल मेकर
मर्चेंडाइसर

मेटलवेयर

इंग्रेविंग एण्ड स्टेमपिंग आर्टिसन
एसिड क्लीनर
कास्टिंग ऑपरेटर (मेटल हैंडक्राफ्टस)
कटिंग एण्ड थ्रिडिंग ऑपरेटर
एम्ब्रोसिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
इचिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
इन्ले आर्टिसन (मेटलवेयर)
पेन्टर (मेटल हैंडक्राफ्टस)
प्लानिशिंग आर्टिसन (मेटलवेयर)
पोलिशर (मेटलवेयर)

फैशन ज्वेलेरी

प्रोडक्ट मेकर (फैशन ज्वेलेरी)
स्टींगिंग/बिडिंग एसेम्बलर (फैशन ज्वेलेरी)
क्वालिटी चेकर (फैशन ज्वेलेरी)

हैंड क्रोकेटेड

क्रोकेटेड लेस–सुपरवाइजर
क्रोकेटेड लेस टेलर
हैंड क्रोकेटेड लेस मेकर

इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण नौकरी भूमिकाओं में से एक पारंपरिक हाथ कढ़ाई हैं। पारंपरिक हाथ की कढ़ाई करने वाले के पास प्रदान किए गए विनिर्देशों/डिजाइन विवरण के अनुसार विभिन्न प्रकार के कपड़ों पर पारंपरिक प्रदर्शनों की सूची के लिए विशिष्ट सिलाई करने का कौशल होना चाहिए। ट्रेडिशनल हैंड एम्ब्रॉएडर द्वारा विभिन्न प्रकार की सुइयों और धागे का उपयोग करके कपड़े पर विभिन्न प्रकार के डिजाइन हाथ से कढ़ाई किए जाते हैं।

नियम और जिम्मेदारियाँ

01 हाथ की कढ़ाई और आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के लिए प्रारंभिक गतिविधि करना

02 डिजाइन तैयार करें और आवश्यकताओं के अनुसार रंग संयोजन एवं धागे की व्यवस्था करनां

03 कार्य क्षेत्र को नियमित आधार पर बनाए रखें और साफ करें और सुसज्जित सभी उपकरणों का निवारक रख–रखाव करना

04 प्रतिबद्धता और विश्वास, संचार, अनुकूलनशीलता और रचनात्मक स्वंतत्रता

05 एक्सेसरीज का रख–रखाव करें और स्वच्छता एवं अन्य कार्य पद्धतियों का अभ्यास करना

कक्षा–11वीं

यूनिट–1

हस्त निर्मित वस्त्र उद्योग का परिचय

हस्तशिल्प उद्योग विकसित हो रहा हैं और मांगें लगातार बढ़ रही हैं। इसलिए मांग को समझने और उस पर काम करने के लिए उद्योग और इसकी संरचना के लिए उन्मुखीकरण एक आवश्यक ज्ञान बन जाता हैं। यह इकाई उत्पाद रेंज, बाजार और उपभोक्ताओं से लेकर हाथ से बने वस्त्र उद्योग और उसमें अवसरों के बारे में भी विस्तार से बताती हैं। इसके अलावा छात्र संबंधित उपकरणों और इसके संचालन के साथ पारंपरिक हाथ की कढ़ाई की भूमिकाओं और विशेषताओं के बारे में भी जानेंगे।

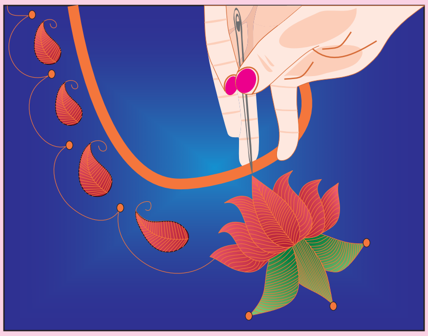

यूनिट–2

पारंपरिक हाथ की कढ़ाई का परिचय

इस यूनिट का उद्देश्य छात्रों को भारत में विभिन्न तकनीकों, डिजाइनों और हाथ की कढ़ाई के प्रकारों की पहचान करने में सक्षम बनाना हैं। इसके अलावा आवश्यक डिजाइन के अनुसार उत्पाद योजना, योजना के विकास के दौरान गुणवत्ता का रख–रखाव और इसकी फिनिशिंग तकनीकों को भी इस इकाई में विस्तृत किया गया हैं।

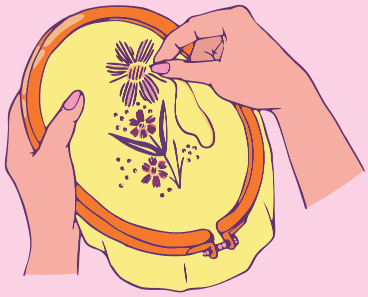

यूनिट–3

कार्य क्षेत्र औजारों और मशीनों का रख–रखाव

हस्तशिल्प सेक्टर में अधिकांश कार्य हाथ से ही किए जाते हैं, जिसमें उत्पादन की स्थापना भी शामिल हैं। यह इकाई छात्र को विभिन्न भागों, उसके संचालन और तकनीक को उचित रूप से संभालने के लिए भंडारण विधियों से परिचित कराती हैं। यह गुणवत्ता उत्पादन, ऑपरेटर की सुरक्षा और कार्यों की समय पर पूर्ति में योगदान देता हैं। इसलिए, उपकरण और मशीनों को संभालते समय, छात्र वर्कफ्लों मानकों को बेहतर ढंग से समझने के लिए मशीनों और उपकरणों का उनके संचालन और अपशिष्ट प्रबंधन के साथ विश्लेषण करने में सक्षम होंगें।

यूनिट–4

कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और बचाव बनाए रखना

इस यूनिट में छात्र स्वास्थ्य, सुरक्षा और बचाव के महत्व एवं उत्पादन पर उनके प्रभाव के बारे में जानेंगे। संभावित खतरों और आपातकालीन कार्रवाई करने के तरीकों को समझना और उन्हें एक कार्यबल या यूनिट के भीतर पर्यावरण प्रबंधन प्रक्रियाओं और सुरक्षा विवरणों के बारे में भी समझाने में सक्षम करेगी।

कक्षा–12वीं

यूनिट–1 फुलकारी कढ़ाई तैयार करना

हाथ से बना कपड़ा उद्योग अपने आप में एक व्यापक और जटिल उद्योग हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार की विकसित कढ़ाई और विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाएं एवं बाजार शामिल हैं। यह यूनिट स्पेक शीट की समझ और संबंधित डिजाइन ट्रेसिंग, कढ़ाई और फिनिशिंग गतिविधियों के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएगी। यहाँ, छात्र फुलकारी कढ़ाई का अभ्यास भी करेंगे और सामग्री की उपयुक्तता और इसके प्रभावों के साथ नमूने निर्माण करेंगे जिससे उन्हें उद्योग के दायरे के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की भी अनुमति

यूनिट–2 चिकनकारी कढ़ाई तैयार करना

यह यूनिट छात्रों को चिकनकारी कढ़ाई में इस्तेमाल किए गए टांके, बनाए गए रूपांकनों, कपड़े, रंग संयोजन और धागे से परिचित कराती हैं। इसके अलावा छात्रों को कढ़ाई का अभ्यास करने का अवसर भी दिया जाता हैं। तदनुसार, छात्र उत्पाद के अनुपात, आकार, रंग संयोजन और परिष्करण को सुनिश्चित करते हुए पैटर्न विकसित करेंगे, कढ़ाई, उत्पादों का विकास करेंगे, आकार, रंग संयोजन एवं परिष्करण को सुनिश्चित भी करेंगे।

यूनिट–3 जरी–जरदोजी कढ़ाई तैयार करना

अलंकरण उत्पादों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता हैं, जहाँ उनका उचित उपयोग करना भी आवश्यक हैं, ताकि यह उत्पाद की उपयोगिता को प्रभावित न करें। यह इकाई छात्रों को जरी–जरदोजी कढ़ाई की विभिन्न अलंकरण तकनीकों के माध्यम से उनके रचनात्मक पक्ष को प्रतिबिंबित करने की अनुमति देती हैं। छात्रों को उत्पत्ति, सिलाई, रूपांकनों, कपड़े, रंग और धागे के बारे में भी परिचित कराती हैं।

यूनिट–4 पारंपरिक हाथ की कढ़ाई गुणवत्ता प्रबंधन (क्वालिटी मैनेजमेंट)

यह यूनिट गुणवत्ता जांच के महत्त्व को विस्तृत करती हैं, और छात्रों को एक पारंपरिक हाथ की कढ़ाई उत्पाद के परिष्करण मानकों की पहचान करने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, यूनिट कच्चे माल, उपकरण सेट–अप से लेकर स्पेस शीट या खरीदार की आवश्यकताओं के अनुसार अंतिम उत्पाद तक उत्पादन के सभी स्तरों पर निरीक्षण करने के तरीकों के बारे में भी चर्चा करती हैं। वांछित गुणवत्ता के अनुसार अंतिम उत्पाद प्राप्त करना महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इसका निरीक्षण और हर स्तर पर रिपोर्टिंग इस यूनिट में शामिल हैं।

यूनिट–5 एक टीम में काम करना

सभी व्यवसायों में श्रमिकों के लिए उच्चतम स्तर की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक भलाई प्रदान करने और बनाए रखने वाले कार्य वातावरण का निर्माण करने का लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए यूनिट छात्रों को एक टीम में नौकरी संभालने के दौरान प्रतिबद्धता और विश्वास के महत्व को समझने की अनुमति देती हैं। यह इकाई एक टीम के साथ संचार विकसित करने और स्व–भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए रचनात्मक समझ हासिल करने में मदद करती हैं।

यूनिट–6 कार्यस्थल की आवश्यकताओं का अनुपालन करें

भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र की वृद्धि और विश्वव्यापी मान्यता को काफी घरेलू और वैश्विक मांग के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता हैं। इसलिए भारतीय हस्तशिल्प इकाइयों के बीच जागरूकता और आचार संहिता नीतियों के अनुपालन के परिणाम का महत्त्व छात्रों को विस्तार से बताया गया हैं। प्रबंधन के लिए एक नैतिक और मूल्य–आधारित दृष्टिकोण के लाभ, कंपनी की नीतियों पालन और कार्य दिनचर्या के प्रबंधन को बेहतर प्रदर्शन के लिए छात्रों में शामिल किया गया हैं।

रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम की उपलब्धि निम्नलिखित अवसरों को प्रस्तुत कर सकते हैं:

स्व–रोजगार

- स्वयं की पारंपरिक कढ़ाई यूनिट/उद्योग स्थापित करें
- पारंपरिक हाथ की कढ़ाई के रूप में फ्रीलांसर

वैतनिक रोजगार

- निर्यात/घरेलू हस्तशिल्प उद्योग/यूनिट में सहायक हैंड एम्ब्रोइडर
- निर्यात/घरेलू हस्तशिल्प उद्योग/यूनिट में सहायक हैंड एम्ब्रोइडर
- फर्निशिंग/इंटीरियर/डिजाइन हाउस में सीनियर हैंड एम्ब्रोइडर

विकास

कोर्स पूरा करने के बाद ट्रेडीशनल हैंड एम्ब्रायडरर के लिए विकास के अवसर उच्च और मानक दोनों ही हो सकते हैं। अवसर भी बहुआयामी रूप से नए मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं:

मानक कार्य भूमिकाएं

- हाथ कढ़ाई के कच्चे माल का अधिग्रहण
- नमूना हाथ कढ़ाई

उच्च कार्य भूमिकाएं

- हाथ कढ़ाई की पर्यवेक्षक
- हाथ अलंकरण के प्रमुख, निर्यात/डिजाइन हाउस
- निर्यात/डिजाइन हाउस निर्देशक
- हाथ की कढ़ाई गुणवत्ता परीक्षक/निरीक्षक
- यूनिट में सोर्सिंग विशेषज्ञ/डिजाइन हाउस/निर्यात/घरेलू कपड़ा उद्योग
- यूनिट में कपड़ा/सजावटी सलाहकार/निर्यात/घरेलू कपड़ा उद्योग सलाहकार
- यूनिट में सहायक वस्त्र डिजाइनर/डिजाइन हाउस/निर्यात/घरेलू कपड़ा उद्योग
- यूनिट में सोर्सिंग विशेषज्ञ/डिजाइन हाउस/निर्यात/घरेलू कपड़ा उद्योग

नौकरी के प्रशिक्षण

बौद्धिक विकास के लिए प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों का उपयोग किया जा सकता हैं। ऐसे पाठ्यक्रम निम्नलिखित स्थानों पर उपलब्ध हैं:

01 नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन (NGO)

02 सरकारी और गैर सरकारी (Non-Government) कौशल प्रशिक्षण केंद्र

03 हैंडीक्राफ्ट सेक्टर के गवर्नमेंट एवं नॉन गवर्नमेंट उद्योगों में उत्पाद/डिजाइन विकास विभाग

PSSCIVE के बारे में

पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सु.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 । फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in । www.ncert2021.psscive.in